है तू अलबेली सरकार तू मेरा दिल धड्काती है

कभी कभी तू डाल के घुंघट पनघट जाती है
मतवाली सी चाल तेरी मेरे मन को भाति है
ओ मेरी राधा घुंघट में तू लगती प्यारी है,
है तू अलबेली सरकार तू मेरा दिल धड्काती है ,

आधा घुंघट हाफ हाफ तेरे सुन्दरता को बड़ा रहा
सुन राधा तू ओ मेरी प्यारी दिल की धडकन बड़ा रहा
ओ मेरी राधा घुंघट में तू लगती प्यारी है
है तू अलबेली सरकार तू मेरा दिल धड्काती है ,

तेरे इस छोटे घुंघट से सीख मिलेगी सारो को
अपने लाज की और संस्कृति मिलेगी शिक्षा सारो को
ओ मेरी राधा घुंघट में तू लगती प्यारी है
है तू अलबेली सरकार तू मेरा दिल धड्काती है ,

जो नारी सिंदूर को ढकती सूर्ये देव खुश होते है
करते है सिन्धुर उसी का अमर जो घुंघट करते है
लिखे उठा के कलम शेलेंदर भजन ये गाये है
ओ मेरी राधा घुंघट में तू लगती प्यारी है
है तू अलबेली सरकार तू मेरा दिल धड्काती है ,

https://www.bharattemples.com/hai-tu-albeli-sarkar-tu-mera-dil-dhadkati-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw